श्री उपसभापति: एल॰ओ॰पी॰ को पहले बोलने दीजिए, बाद में ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, सदन में यह क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)... आपने आइडेंटिफाई किसको किया? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: एल॰ओ॰पी॰ को किया। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: तो उनको बुलाइए। ...(व्यवधान)... आप रूलिंग दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए तो सही। ...(व्यवधान)... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... The House is adjourned till 2.00 p.m.

The House then adjourned at two minutes past one of the clock.

The House re-assembled at two of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

Re. Demand for permission to Leader of Opposition for raising issues

श्री सभापति: माननीय सदस्यगण, मुझे इस बात का खेद है कि सदन में विपक्ष के नेता को बोलने का अवसर नहीं दिया गया। प्रतिपक्ष के माननीय नेता केवल सदस्य ही नहीं है, बल्कि इस गरिमामय सदन, इस प्रतिष्ठित संस्था के सदस्य भी हैं। यदि इनका सम्मान नहीं होता है तो इससे सदन की मर्यादा भंग होती है। मेरा माननीय सदस्यों से आग्रह है कि सदन की मर्यादा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए प्रतिपक्ष के माननीय नेता को बोलने दें।

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, we have no objection to that. The problem is that whenever we raise some issue, it is not at all considered. That is the reason. ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Don't link that to this issue. *(Interruptions)*

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: Nothing happens. So many conditions are put by the Opposition. They have been putting conditions. *(Interruptions)* Then they put the blame on us. That is not done. *(Interruptions)* They are putting conditions. That is the whole problem. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: There is no condition from his side. *(Interruptions)*

There is no condition from the Leader of the Opposition. *(Interruptions)*

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, they are doing this everyday. *(Interruptions)*

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: Sir, they are against raising the issue of Gujarat. That is the issue. *(Interruptions)*

श्री सभापति: इनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... इनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): महोदय, सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए ... (व्यवधान)... आपके कहने के बावजूद इनका यह हाल है। ...(व्यवधान)...

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) परम श्रद्धेय सभापति महोदय, सदन की यह माननीय परंपरा रही है कि विपक्ष के सम्मानित नेता ने जब भी कोई इश्यु उठाना चाहा है तो उनको उठाने दिया गया है। उसी परंपरा के परिप्रेक्ष्य और तारतम्य में जिस मुद्दे को हमारे विपक्ष के सम्मानित नेता उठाना चाहते हैं, वे उसे उठाएं, हमें, उसमें मैं यह नहीं कहूंगा कि आपत्ति है, बल्कि मैं यह कहूंगा कि वे उस विषय को उठाएं और उस विषय को उठाकर इस सदन की जो माननीय परंपरा है, हम सब उसका परिपालन करें, ऐसा मेरा विनम्र अनुरोध है। जहां तक दूसरी बात है, मैं किसी भी दशा में उनके कथन से कोई शर्त या कोई और चीज जोड़कर नहीं कहना चाहता हूं, मैं विनम्रतापूर्वक केवल आपका ध्यान आकर्षिक करना चाहता हूं कि सदन के दूसरे माननीय सदस्य, दूसरे मुद्दों के प्रति भी उत्तेजित और विचलित रहे हैं, आप कृपा पूर्वक उन पर भी ध्यान दें, ताकि यह सदन सुचारू रूप से चल सके। माननीय जसवन्त सिंह जी का जहां तक प्रश्न है, पूरा सदन उनका सम्मान करता है और उस सम्मान की परंपरा का ही निर्वाह करते हुए और विपक्ष के नेता के रूप में वे अपनी बात को कहें। हमें उस पर कतई कोई एतराज नहीं है। हम सब निश्चित रूप से उनको सुनना चाहेंगे, लेकिन जो दूसरी बात है, क्योंकि लम्बे अर्से से दूसरे इश्यूज हमारे दूसरे विपक्षी पार्टी के भी माननीय सदस्य उठाते रहे हैं। मै इसको स्पष्ट करना चाहता हूं कि आप इसको उनके कथन से जोड़कर न देखें, न शर्त के रूप में देखें, बल्कि एक माननीय परंपरा यह भी रही है कि जिन मुद्दों पर दूसरे सदस्य भी बहुत ज्यादा चिंतित रहे हैं, उन्हें भी अवसर प्रदान करने की कृपा करें, यह मेरा विनम्र अनुरोध है।

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): महोदय, अभी जो बात संसदीय कार्य मंत्री ने कही है, मैं उस पर केवल रेस्पॉन्ड करते हुए एक बात कहना चाहती हूं कि यह शून्य काल नहीं है, जीरो ऑवर नहीं है। नेता विपक्ष का दर्जा बिल्कुल अलग है, क्योंकि इस विषय पर कार्यवाही बाधित हुई थी, इसलिए सरकारी कार्यकरण के समय आप विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति दे रहे हैं। पहले

विपक्ष के नेता अपनी बात कहें और उसके बाद जो मंत्रालय लगा हुआ है, हम उस पर आगे चर्चा करें। बाकी मुद्दों का जो सवाल है, वे सारे मुद्दे विचाराधीन हैं।...(व्यवधान)... कल वे सारे मुद्दे ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: It is this putting of conditions that we are objecting to. *(Interruptions)* They want certain conditions to be fulfilled. That is the problem. *(interruptions)*

श्रीमती सुषमा स्वराज: वे सारे मुद्दे विचाराधीन हैं और कल आप उन पर बाकायदा निर्णय लें और ...(व्यवधान)... शून्य काल में जिस-जिस को बोलने देना है,उनको बोलने का हक दिया जाए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: माननीय विपक्ष के नेता। ...(व्यवधान)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (उत्तरांचल): सभापति महोदय, अब स्पष्ट हो गया है कि ये हाउस में अपने विषय पर तो चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन जिस विषय पर ...(व्यवधान)... हम लोग चर्चा करना चाहते हैं ...(व्यवधान)... यही हमारी आपत्ति थी। ...(व्यवधान)... इसीलिए पहले गुजरात पर चर्चा हो। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: इनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: हम चाहते हैं कि गुजरात पर चर्चा हो ...(व्यवधान)

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): अगर नेता विपक्ष को आप बोलने की इजाज़त देंगे, तो दूसरे लोग भी बोलना चाहेंगे ...(व्यवधान)

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: This is a condition. ..*(Interruptions)*.. They are putting a condition...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: पहले नेता विपक्ष को बोलने दीजिए ...(व्यवधान) शर्त मत लगाइए, उनको बोलने दीजिए ...(व्यवधान) मेरे सामने कोई शर्त नहीं है ...(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: हम लोग आपसे यही निवेदन कर रहे हैं कि जो हमारे मुद्दे हैं, उन पर भी चर्चा कराइए ...(व्यवधान) ये लोग अपने विषय पर तो चर्चा कर लेंगे, लेकिन हमारे विषय पर चर्चा नहीं होने देंगे ...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: Everybody has got a right to speak in this House...*(interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: कल को सारे मुद्दे आप लीजिए, कल सारे मुद्दे आप लीजिए ...(व्यवधान) लेकिन आज एक विशेष परिस्थिति में आप नेता विपक्ष को बुलवा रहे हैं ...(व्यवधान) अगर ये लोग कार्यवाही नहीं चलाना चाहते हैं, तो अलग बात है ...(व्यवधान) आज सदन की कार्यवाही बाधित हुई. सदन का सम्यक संचालन हो, इसके लिए यह रास्ता निकाला गया ...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: They cannot say discuss this or that. ..*(Interruptions)*..

प्रो॰ राम देव भंडारी: सभापति जी, हम भी अपनी बात कहना चाहते हैं ...(व्यवधान)

श्री सभापति: देखिए, जहां तक दूसरे मुद्दों का सवाल है, जिस क्रम में ये मुद्दे उठे हैं, उस क्रम को मुझे देखना पड़ेगा। अब यह तो देखना ही चाहिए। आपने पहले मूव किया या इन्होंने पहले मूव किया, पहले किसने मूव किया, उस क्रम को मैं देखूंगा और फिर इजाज़त दूंगा। पहले नेता विपक्ष को बोलने दीजिए ...(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सभापति जी, हमने गुजरात मुद्दे के ऊपर एक बार नहीं, अनेक बार नोटिस दिया है, लेकिन हमारे मुद्दे पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। इसलिए हमने बार-बार अनुरोध किया है कि अगर आप नोटिस देखेंगे, तो सच बात यह है कि इनकी चर्चा से पहले हमारी चर्चा आ जाएगी। यही बात है ...(व्यवधान)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Gujarat issue will have to be taken up. ..*(Interruptions)*..

श्री सभापति: नहीं, यह नहीं होगा। देखिए, ज्यादा अच्छा यह है कि ...(व्यवधान) एक मिनट, मेरी बात सुन लीजिए ...(व्यवधान)

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): नंदीग्राम की बात करो, नंदीग्राम में क्या हुआ?

श्री सभापति: नंदीग्राम हो या गुजरात हो, जिसने जिस समय नोटिस दिया है, वे सारे नोटिस मैंने कलेक्ट करवाए हैं। मैं उन नोटिसों को देखूंगा कि पहले किसका नोटिस आया है, जिसका नोटिस पहले आया है, उसको मैं पहले मौका दूंगा, लेकिन इससे पहले अगर माननीय नेता विपक्ष बोल लें, तो इसमें आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Gujarat is an important issue ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: हमारी यही आशंका थी कि ये लोग अपने विषय पर बात कर लेंगे, लेकिन उसके बाद किसी न किसी बहाने हमारे विषयों पर चर्चा नहीं होने देंगे ...(व्यवधान)

श्री सभापति: इसका मतलब यह हुआ कि विपक्ष के नेता जो बोलना चाहते हैं, उसके साथ आप शर्त लगा रहे हैं, यह शर्त अनुचित है ...(**व्यवधान**) यह शर्त अनुचित है ...(**व्यवधान**)

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: We have so many instances when he leaves the House after his speech. ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सभापति जी, गुजरात का इश्यू इतना संगीन है कि अगर हमें इस इश्यू पर आपका संरक्षण नहीं मिलेगा, तो हम इस महत्वपूर्ण बिंदू पर कैसे चर्चा कर सकते हैं? ...(**व्यवधान**) हमारा आपसे अनुरोध है कि गुजरात का मसला एक महत्वपूर्ण मसला है ...(**व्यवधान**)

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: During the Budget Session, we have had bitter experiences.

श्री सभापति: क्वैश्चन यह नहीं है। गुजरात के विषय में आप नहीं बोलें, यह approach नहीं है। गुजरात के विषय में और नंदीग्राम के विषय में नोटिसेज़ आए हैं। मैं कह कर आया हूं कि सारे नोटिसेज़ निकाल लें, फिर मैं यह तय करूंगा के पहले किसका नोटिस आया है और बाद में किसका नोटिस आया है। बस। तब तक नेता विपक्ष बोल लें।

श्रीमती सुषमा स्वराज: तब तक नेता विपक्ष बोल लें और सदन चले। ...(**व्यवधान**)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Then, the Gujarat issue comes next, which is the most important issue.

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: They think that only they are living; no other political party is there. And, the Deputy Leader of the Opposition has put a pre-condition that they will not allow any other issue.

श्री सभापति: प्री-कंडीशन तो आप लगा रहे हैं। आप यह बताइए कि इनको बोलने दिया जाए, उसके पहले यह कहा जाए कि किसको बुलवाऊं। मुझे भी तो यह देखना है, नहीं तो दोनों मेरे पीछे पड़ जाएंगे। इसलिए इनको बोलने दिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश): सर, आप गुजरात के विषय पर बोलने की इजाजत कब देंगे? क्या नेता विपक्षी दल के बाद आप इजाजत देंगे? पिछले सेशन में आपने हाऊस के अन्दर कहा था कि गुजरात के विषय को उठाने की इजाजत दी जाएगी। सर, हम पिछले सेशन से लगातार नोटिस देते चले आ रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वह नोटिस ही तो देखना है।

श्री राशिद अल्वी: और उस मुद्दे को उठाने की इजाजत नहीं मिल रही है। अगर आप नेता विपक्षी दल के बाद इजाजत दें, तो हम इसके बाद उस इश्यू को उठा लेंगे ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: After his submission, will you allow the Gujarat issue to be raised?

श्री सभापति: देखिए, विपक्ष के नेता के भाषण को किसी शर्त के साथ नहीं जोड़ा जाए। अब आपकी जो शर्त है कि इन मामलों की चर्चा कब होगी, तो मैं सुबह से इसी में लगा हूं कि इनमें पहले किसका नोटिस आया है। मैं उसका अध्ययन कर लूँ ...(व्यवधान)... वही तो मैं देख रहा हूँ। पिछले सेशन से नोटिसेज़ चल रहे हैं। जसवन्त सिंह जी, आप बोलिए।

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Re. Reported Remarks by Mr. Syed Ali Shah Geelani at Srinagar Airport

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Mr. Chairman, Sir, I thank you. I do not really know what to say, whether to express a sense of gratification, or concern that it is after seven notices, finally, I am able to give voice to my views. Sir, I first gave notice that I wish to raise these issues on 26th April, 2007, and consistently, thereafter, I have been raising the same issue. Sir, these are major concerns. I do not think they are simply party concerns and I do request your permission, Sir, and consent of the House to permit me to just read the subject. It is a very short notice and it says, "Reasons for mentioning the matter in the House are widely broadcast and reported remarks of Syed Ali Shah Geelani in a planned meeting at Srinagar Airport on 22nd April, 2007. The Government of India's total silence on this important issue of national security and the status of the State of Jammu and Kashmir, it has a direct nexus also with Indo-Pak relations. It also adversely affected the question of employment of Armed Forces in combating insurgency and terrorism in the country, the Government's policy in this regard and approach also."

Sir, I wish to submit that a meeting took place on the 22nd of April. Syed Ali Shah Geelani was under treatment in a hospital and he, thereafter, travelled to Srinagar. The fact that he was travelling to Srinagar was not a secret to the Government of India, and it was not a secret to the State Government either. The preparations that were being made at the Srinagar